शिखर 5

पाठ 5. समय

कविता का उद्‌देश्य

प्रस्तुत कविता का उद्‌देश्य बच्चों को समय के महत्त्व से अवगत कराना है। उन्हें समझाना है कि समय मूल्यवान है इसे व्यर्थ में नष्ट नहीं करना चाहिए। साथ ही, इस कविता द्‌वारा बच्चों को श्रम एवं विद्‌या का सही मोल भी समझाया गया है। बापू के समय-पालन के उदाहरण द्‌वारा समय के सदुपयोग की सीख भी दी जा रही है।

कविता का सारांश

जो समय बीत जाता है वह लौटकर नहीं आता तथा जो लोग समय को व्यर्थ के कामों में लगाते हैं, उनके पास पछताने के सिवाय और कोई रास्ता नहीं रहता। यदि धन खो जाए या समाप्त हो जाए तो मनुष्य उसे श्रम करके दोबारा प्राप्त कर सकता है। यदि स्वास्थ्य बिगड़ जाए तो उपचार द्‌वारा पुनः स्वस्थ हुआ जा सकता है। यदि विद्‌या खो जाए तो पढ़ने से उसे दोबारा प्राप्त किया जा सकता है। परंतु यदि समय एक बार चला जाए तो उसे दोबारा प्राप्त नहीं किया जा सकता।

अध्यापन संकेत

कविता वाचन से पूर्व कविता की पृष्ठभूमि तैयार करें। बच्चों से उनकी दिनचर्या के बारे में पूछें कि वे कितने बजे उठते हैं तथा कितने बजे सोते हैं। कब पढ़ते तथा कब खेलते हैं। क्या वे अपने सभी काम समय पर करते हैं?

कविता का सस्वर वाचन करें। पहले स्वयं कविता के प्रत्येक अंश का वाचन करें फिर बच्चों से वाचन करवाएँ। कविता वाचन करते समय बीच-बीच में बच्चों से पूछें तथा समझाएँ–

- ❖ उनसे पूछें–क्या कभी ऐसा हुआ है कि आपने अपना समय किसी व्यर्थ के काम में नष्ट कर दिया हो जिसके कारण आपको बाद में पछताना पड़ा हो।
- ❖ बच्चों को समझाएँ कि समय को बेकार के कामों में लगाना, काम को टालते रहना या अच्छे अवसर की प्रतीक्षा में लगे रहना–इन सबसे समय नष्ट ही होता है। अपने आप में विश्वास रखना, समय का उचित उपयोग, परिश्रम करना ही सफलता की कुँजी है। इस तरह के भाव बच्चों में विकसित करें।
- ❖ कठिन शब्दों के अर्थ कविता वाचन के साथ बताते जाएँ।

  कविता की पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें–

  रहती थी बापू की कटि में हरदम घड़ी लटकती,
  उन्हें एक क्षण की बरबादी थी, अत्यधिक खटकती।

पंक्ति का अर्थ बताते समय बताएँ कि गांधी जी समय के बहुत पाबंद थे। उनका कोई प्रसंग यदि याद हो तो बच्चों को अवश्य सुनाएँ।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।